

द्रनात्तहर्म् अञ्चा मान्त्रत्मुवास्त्रस्याः द्रद्राम् व्यापाः द्रद्राम् व्यापाः

- 1 2 विद्वित केद केद मान असेव दे दे पाव रह हुँद दुव दे द प्रव है वादा विद्व द रहे अदी 620002

 - अळेड्ब ग्रंप केंब चॅद कि गर्भ देग ग्रंप ग्रंप ग्रंप व्यक्त व्यक्त व्यक्त विकास व

क्ष स्वास्त श्रेष्ठ विद्य हें से स्वास्त स्वास स्वास क्षेत्र क्षेत्र स्वास स्वास क्षेत्र स्वास स्वास स्वास स्व स्वास स

न्द्रपञ्चन नृत्र्द्रिया हेन्यायस्य स्थान्य । स्थान्य स्थान्य

नन्या श्रेन नही।

ख्ट स्टेब म्री से अन्य में ट्रिंग म्री मान स्टेश स्ट्रिंग स्ट्रिं

योथेय.स्थाभवर.तर्, सूचायं अ.सूचायाचार.कुत्रः घर.त्. में चिरं श. १८४१ (ही. ध्र. १ तत्. कुंग्र. १९ वेथे. तर. १) क्षा ज् खेर.कूरं श. श्. श्. १. धूचा रहितं श. वर. देवा वायर. त. श्.

[。] 項目基金来源;青海大学 2018 年课程建设一类项目《藏医热病学》(编号; KC181010);西藏自治区 科技厅重点研发计划项目"(项目编号; XZ202001zy0001G)。

नुद्रकेष य पर्वे पतिष्ठ स्पृत् स्था केर के नुद्र स्था विद्र वर्षमञ्चानी नानेर्यासरशुराने कें वर्षमञ्जू शुराय क्षेत्री ट्रे. इंश. श. चर्. थे. कर. होत. बेल. क्य.180 ईच. ध. श. ग्रम् वार्य १ वि म् स्वार्य हेवा १३ वेद पर है। वार्य वर दिया वर्षा वर वर इ. दिया भेव हैं के द्वेद पव वर्ष ईय दें. शुराने के वर्षा १७६९५ देवा चेत्र प्रस् चेरा 2 दे देर में वा श्रियः इ. क. थर. रे. तर्झ. यान्त्र. वी. वर. रेव. परेव. श्रर. वा,5050 प्राप्त ही. 25 राष्ट्र कुळा । कुच. येज. हीतु. वर. देवी. देवाबाद हो अब ऋवाबा ग्रीबा SARS - CoV - 2 लेवा पान वाबा सर्दा वर्रीयायर् वर् केंद्रक्षिर श्रीत रेगमा साय में सर्वा. वैर.श्रेर.श्रेर.त.श.डर.भेल.श्रेव.वर.रेव.ध्रेय.पर्देव.ध्रे. ग्रद्ध अहित् क्रांब से हैं त्या दि ग्रुट ग्रुट श्रुट पति वर् दिन र्रमानामान्यः पालिमाधिन्यः सन्तः स्त्रीत् द्वितः यर्गमाः क्रिः अस्त्र देव छेर क्षेत्र हर दर द्वा वरि य सव हेर वर्ष वाका ब्र्य-वियःसपुःवाक्र्रानक्र्यानुःवानुष्यःयःचिरःक्षेत्रःयःदरःकृषः प्रम्यानुर्द्धारात्रे स्वरमा व्यामा स्वामा सा प्रह्मा दे दर्द द्वा र्रायक्षण्ड्रिं छेर् प्रवेद प्रवेद प्रवेद

यानुन्नर प्रति । प्रश्नास तीना ही. हूर् नाष्ट्र हूर् । प्रया क्षण स्टा प्रमुन्न प्रति । प्रश्नास तीना ही. हूर् नाष्ट्र हूर्य प्रति । प्राचित । प्

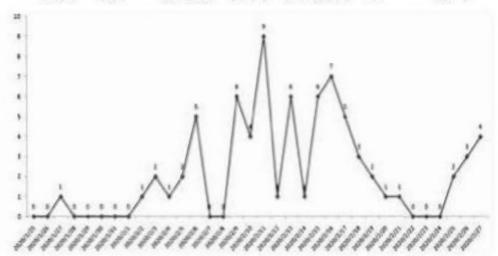
तत् ।

प्रमाद्व पत्रेर प्रमुर ह्या प्रमुर ह्या प्रमुर वी प्राप्त प्रमुर विकास ह्या प्रमुर ह्या प्रमुर

पक्षात्रकुट.हु.क्षेत्र.डिट.वधु.वच्चट.दुत्रा चेक्षेत्र.ता द्वा.चक्षत्र.धू.कट.चट.कश्रव.

भेतान्त्र स्वर् ने विषय विषय क्षेत्र स्वर् ने विषय स्वर् मान्य स्वर् ने विषय स्वर ने विषय स्वर् ने विषय स्वर ने व

शक्ति वेट. य. तथ्न. इर. वेट। 5050 पूर्य. श्रेरतपु. वर्षाताता अधेश विचाया वेच तथा बर्ट पट्ट तथा क्षेत्र पर्याचा वर्षाताता अधेश विचाया वेच तथा बर्ट पट्ट तथा क्षेत्र पर्याचा श्रेत्र पट्चा क्षेत्र वेट विचाय प्रमाणिय प्रमाणिय विचाय प्रमाणिया व्याचा उठ्ठ पूर्व श्रेत वेच विचाय प्रमाणिया व्याच्या प्रमाणिया व्याचा उठ्ठ पूर्व प्रमाणिया प्रमाणिया विचाय प्रमाणिया व्याचा उठ्ठ पूर्व प्रमाणिया प्रमाणिया विचाय प्रमाणिया विचाय प्रमाणिया व्याचा उठ्ठ पूर्व प्रमाणिया प्रमाणिया विचाय विचाय प्रमाणिया विचाय प्रमाणिया विचाय प्रमाणिया विचाय सिल्द किर केंद्र मान अहं शायुग न्यु हिंद ने मेंन नवर क्रिक्न निवन यदि न्या वाद सदि देव कीन



चटातपुरवातु अपूर्णवाच्यायक्षेत्र। वाश्वित्राता चूर्याः वायतः श्चाः स्ट्राः स्वाः सप्तः

कुट. पूर्वा चोलट. म्री.क्ट्र. चोटेच ताकुम. चैट. च. ट्रूब. ३ चूच ता. भूटा ट्रे. जल. चट. टेच. च्रा. खेट. क्षेट्र. चोट्चल. चोचुल. लुच. पूर्वा ट्रिटेचल. क्ष्यं. त्यूचल. सूचा. चैट. शुच. चक्र्चा. टेलेट. चेल. सूचाल. जल. चट. ततु. लेट. चीटा. च्रा. च्रा. खेटल. धे. चट. टेचा. चटल. १८०० इंचा. म. टेलेचील. जला. टेटा इं. खेटा खेचा. इटल. पट्टेट. केषे. कूट. टे. ख्रेच. कूला. ट्रूबल. क्ष्यं. शु स्वत्ति व स्ट्रिस् मित्र प्रकाशीया स्ट्रिस् मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र प्रकाशीया स्ट्रिस् मित्र मि

当日、美に別、とかには別な、して、こととがらればれた異か

नेर्ज्यात्वर्षक्षेत्र विद्यात्वर्षक्षेत्रः स्टाल्ला इतः वर्णः नवस्त्रक्षेत्र विद्यात्वर्षः वर्णः वर्षः वर्षः वर्णः वर्षः वर्णः वर्णः वर्णः वर्णः वर्णः वर्णः वर्णः वर्णः वर्णः

द्रम् मार्थे प्रति द्रम् यह मार्थे प्रति । वर्षः सर्थः । इत्यान्यः महिद्रः सः अस्यः तश्चरः श्चीः वद्राः वर्षः सर्थः

ম্বশ্রব বন্ শ্রশ্বশক্ত

बद्धारा	बद्धश्चित्र ण	इनवडीम्	केंद्रा स्था	bāza
質り巻二	4(5.9)	1(2.7)	3(9.6)	0.59
त्व मेर्य संस्थित हरा	8(11.9)	5(13.8)	3(9.6)	0.59
क्षेत्रक्षेत्रम्	3(4.4)	1(2.7)	2(6.4)	0.6
रेड्ड यक्षर र <i>व</i> हुर दुवा	4(5.9)	1(2.7)	3(9.6)	0.4
र्वन्थक्षेत्रदेवतेत्र	2(2.9)	2(5.5)	1(3.2)	0.6
ব্যব্দ্	4(5.9)	0(0)	4(12.9)	0.02

स्वाक्षात्रेच व्याचित्रः चत्रे व्याचित्रः स्वाक्ष्यः स्वाच्याः वर्षः क्ष्यः

 पक्रमा अरूब श्रुट तक खुटा में बोचेश ब्री इसे श्रुवा क बोच्चांबर तर अरूब श्रुट तक खुटा में बोचेश ब्री इसे श्रुवा क बोच्चांबर तर अरूब श्रुट तक खूचे वाचेश खूट तक ट्रेब खुट हुंच ट्रेब चर्चे अरूब खुट हुंच त्यार तसु बटे स्वांबर अरूब खुट हुंच दक्ष वच्चे क्यूरी बट तते का अरूब खूट हुंच हुंच तक खूटी बट कट ता बु बट से बोबर अरूब खुट हुंच तक खूटी बट कट ता बु बट से बोबर अरूब खुट हुंच तक सूची बट कट ता बु बट से बोबर अरूब खुट हुंच तक सूचे खूट हुंच वाचेश अरूब स्वांचेश करा विशेश ता लुव सूची ब्रिक वाचेश वाचेश करा हुंच तक हुंच क्यूप विशेश हुंचे ता बित ब्रिक वाचेश ब्रिक ब्रिक वाचेश करा हुंच तक हुंचे क्यूप विशेश हुंचे ति क्यूप वाचेश करा हुंचे ति क्यूप वाचेश कर

XC WOM	बद्धवेत्रदश्य	
वर करान	d) motion	
केवासप्रद ग्रंट ख	36(53.7%)	
क्ष्यक्षन्था	7(10.4%)	
बर कर्या	5(7.4%)	
मेक्स व संदर्भ	1(1.5%)	
अवैद्या	9(13.4%)	
र्वत्रवात्त्रे दिवर्गाय	2(2.9%)	
शेयवय	1(1.5%)	
नगरेय	3(4.4%)	
ইওব	13(19.4%)	
बहुन	1(1.5%)	

बाक् स्ट्रबा,बुका,प्यूबा,प्यूक्ष,ह,क्षेत्र,विकाक्ष्या क.ता द्रबा,बाक्षर,ध्रु,क्रट.ज.चूट,जिबका

या चक्किताबुद्धार प्रचाना जाजर प्रवित्त सूर्या अप्ता वित्र स्त्र वित्र सूर्या स्त्र प्रचाना व्यक्त स्त्र प्रचाना व्यक्त स्त्र प्रचाना क्षेत्र प्रचान क्षेत्र प्रचान क्षेत्र प्रचान क्षेत्र प्रचान क्षेत्र प्र

पत्तवस्थितात्व्या स्ट श्रेच दिवार त्या दूर ति तरिय स्ट स्ट स्वीत्य स्ट श्रेच दिवार त्या दूर ति तरिय स्ट स्ट स्वीत्य स्ट श्रेच दिवार त्या सूर ति तरिय स्ट स्वाय श्रेम तर स्वाय स्ट स्वाय स्ट स्ट स्ट स्ट स्वाय स्ट स्वाय स्ट स्वाय स्वाय स्ट स्वाय स्ट स्ट स्वाय स्ट स्वाय स्ट स्वाय स्ट स्वाय स्वाय स्ट स्वाय स्वाय स्ट स्वाय स्ट स्वाय स्ट स्वाय स्वाय स्ट स्वाय स्वाय स्ट स्वाय स्वाय स्ट स्वाय स्व

वक्षत्यम्यान्वरूक्षन्तेकरः तृष्यः हो। प्रमानि-क्र्याक्षः क्षेटः यान्यून् होनाः क्षेत्रः दृशः नः योश्वेशः वो ह्म. योक्षः तथेटः नः तृष्यः क्ष्टा हुनः लाटः कः वोष्टकः प्रमानः योश्वेशः वो ह्म. तश्वेटः तो घटः ह्येन् हुन् । हुनः लाटः कः वोष्टकः प्रमानः विशेशः वीटः तश्वेटः तो घटः ह्येन् । हुन् श्रा हुनः योक्ष्यः वाटः परक्षः व विश्वान्त्रत्यः विश्वान्तः वाद्येत्वः तत्वः योव्यः हुनः त्विः विश्वः विद्यः विद्य

रेअन्य दिन्य वे मुद्द हिंद हेवा वे अन्दर्भ क्षेत्र

ल्ट.क्षेत्रा बबाक्ष.तम् अस्ट तम् स्वा क्षेत्र वैट तम तब स्वाब स्व. देवातव क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.वर्त तः बश्च क्षेत्र क्रत्या तट त. बबाज्ञ.ट्वी क्षेत्र.क्षेत्र.पद्वावा क्षेत्र.क्षेत्र त.ट्टा क्या क्ष्य. बोध्य त्वाक्त.त्वक्षेत्रात्त्र त्वाच्य क्षेत्र.क्षेत्र त.ट्टा क्या क्ष्य. बाह्य त्वाक्त.त्वक्षेत्र त्वाच्या त्वाच्य क्षेत्र त्वाच्य क्ष्य क्ष्य व्याच्या

द्रशत्मा विदेशत्म वि देति हिंदा ह्या मिल्रेट सप् जिर नयाचा अबूच वट नमिर बट वा ह्वाय छव श के ब्राया ग. इटक नेनेक श वसून नक्क में सूर श्रेय शर ता लय है। इंटलन्ट रूप ही कूंबा यस सूर शिव धिय,1821 सेचा श्रेट ता. रट.रेश श झ २३७१ व. प्राची त्र्र्या वेश त. लुची हिटश चलेश्रासर ही ह्या दर डीव स्था। १६०१ सेचा होर सार्ट देश श्रेष्ट्र247क्ष्वायाध्यातस्त्रम् र द्रायावायस्य निक्रा लाट त्वर्म्मण श्रीट दट वर् दुम डी श्रूट पति केर दुन है की देर द्रश्रमाश्चर वेचा स. रेची हिर क्षेत्र पर्वाय है वश्चा रहा बर्गिक्ट.इर.चर्च. व्रूब.ध्याच्याच्या होर.स.रटा १६८.र. बवार्यः नवार्ष्ट्वेतः क्षेत्रः तेत्रः होन्यः वर्ष्ठवाः नृतः होन्यः तेतः त्रेयः नुभूरता देव केव अर हुँर वेव देर बेटन गरिया रू इंटबर्टर दुल तु गुरुग तहर हु यहर य ध्वा व क्रिं शु.पर्टे. तर विश्वेतक येथा जू. ये. १९ लये. ही. शु. स. १८० का जूट. श्चित्र प्रत्य वर्ष र द्वा हुर द्वा हुर द्वा क्षेत्र ग्वर ह्नेर्द्रा र्वेट जूनरिया हुथ तरिया व व व व व व व लब्री शहेबा थे हूट हवा वा अब्रूब । कट. रे. डी र. टायावा देश. लूर्र राषु र्वाम रुव 2527क्षेत्र जन्म था झ. रुवा या वर्ष्ट्रवमः त्रुवा श. यर. टिवा क्षेट. क्षेत्र. वार्वावा वार्चावा त्रुवा एत्र. तर तक्षेत्र. रतिर ह्रेट्य अर्थ राजा राजा क्रम क्रम हर जिवाय वाजा हवा हो. विधाराः ह्रवारा ध्रवारा राज्या

द्रश्रस चिश्वश्रस द्वे देव हिंद को भर के रेट क्रेंट रे विश्वापरकारी रदाविस दे बिर यनवा विश्वार राते द्वान क्षेत्र के अध्यक्ष का होर का चारिक शिक्ष विचार के अधि दूर शिक् हिर् रा लय है। ह्वाय स्व हिरा स्ट 1280 हैवा वी ही 8.220का श्रेच रिश्र 8927 सेना श्रेन संस्टा र्मूच संस्था मी.ची.पश्च ह्यू.वेश्व सेचाल श्रेच श्रेश ३४३७ सेचा श्चर त.र.र. मेव नाम् । वट ना का झे 100 झेना ना झेव . देश, 1928 झेरे. रा. ताथी ट्रे.म. मैंब. प्रवृत्त में. शट बाब में. ही प्रवृत्त मेंट. र्ट. वास. त्रका करे. यी वधारा रेश हिर क्षेत्र पर्याय में रेटा पर्वार्श्वभाष्ट्रभाष्ट्रमा हिंद्र श्रव देव स्ट्रिंदर अह द्रवाकानाववाद्रत्वीक्षेत्रत्र क्रिक्या बूर्तितरीय. हर दश्यक्षित हर दर् इक्ष के यह वर्ग पर संप्रति ह चलुत्री चर्ट्रयाचेत्रचीत्रयाच्याचात्रामाच्याच्याच्याच्या नेव दिनादर दे वया होरया गुनेया धरा भरा पश्चर नेव दिना मुच्छेव द्वाबार अद्याल देशिव हरिशे द्वादल लेवा र्ने री कट. ये में सेट जय शु. रट. यद्भ . प्रदेश के अंध स्थ श. इ.100 क्रेचे ज. रूथ. कुथ. शट. क्रेंच. धिश.100 रेटो क्रूर. तीचे. नर्द्रकृति आवत्र इरायान श्रेत्र हुरा।1245८ देन श्रूतः द्वेतायी प्रतादिव तर श्रेव श्रेया थ्राव राज्य हिर की द्वार त शैव । थट. यु. शैव. रा. र्ट. जथ. यूच्. रा. इशक रा. शैव. 원화.336년리 항이.육.眞仁.독아. 회·아씨. 링스·敦. 복고. 최소. विभारतिक्र प्राप्ति । पर्देशका श्रीय । विभारतिक विभारति । प्राप्ति

त.रटा हुर.लट.बर्ट.सपु.क्षांका का वाश्विवाका बका ह्रट. इश्वयं कावर.क्ष्यं,श्वरं का कावाका वाश्वरं क्षितः दे वाश्वरं क्ष्यं विश्वरं क्षयं कावर.क्षयं,श्वरं क्ष्यां व्यट्ट.जीवाका वाश्वरं क्षयं,या पटः क्षेट. व्या वाश्वरं वा वाश्वरं वर्ष्ट्रका विश्वरं क्षयं देवा क्षेट्रं क्ष्यं क्षयं क्षयं वाश्वरं वा वाश्वरं वर्ष्ट्रका विश्वरं क्षयं देवा क्षेट्रं क्षयं जीवाका इश्वरं तप्षितं तर्ष्ट्रका वाश्वरं क्षयं क्षयं क्षयं क्षयं क्षयं क्षयं क्षयं वाकम्द्रम् स्ट्राह्म मानुवा विश्वाद्वात्त्रम् स्ट्राह्म स्ट्राह्म ह्याच्या ह्याच्या व्यव्यात्त्रम् स्ट्राह्म स्ट्रा

문리·리 회문리·다중·리

देशकतत्त्र्या वृद्धाः क्ष्यः त्याच्यं देश्यः वृत्यः वृतः वृत्यः वृत्यः

अर्देश्वा निर्देश्य निर्देशम्य निर्देशम्य

वर्षक देशक हर् है। इर् लिवक वर्ष देव वृक वर्ष्य घट.श्रमाथ.शे.डे∡.तथाचा.चेश.लूट.तपु.शु.चि.मश्रमा.शेचा.ज. दुशकारम्बा हर श्रेय श्रेर रा राष्ट्रिय देव हिंद र वर रेवा. उज्ञाबाक्य ही क बीट स खेट. दश लब श हूब. त. रटी विश्व विर यगवा विश्व में रावे के बूदे विर में हवा कोर थेट. मैंन. चर्चाका वाचुका क्ये, उठका है, केंन. उज्जा टाडूका इ.क्षेत्र.श्रद्धां राज्यी वाश्वेश व.ध्रेवा वाश्वर ग्री.क्ष्ट ग्री. बर्तात, १२ व्य बरा लेगाया माझू रुचा याया माझू तकू या थे या है. श्चित्रायम् वर्षात्रेर द्वे हे वर्ष्ट्र श्व भूट रावे देवाव वर्षा त्रुविधारवर्षेत्र अहिता वा स्वाया द्रश्याता स्व हिर् ह्रव. तत्राज्ञती बर्ट.रेबानम्बर.जूबानमैय.त.ब्रुबा.येट.वेट. श्री सामित्र प्रिये प्रिये प्राचित्र में क्रिन मिन्न रामिया विर यदि बर् या १३ धिल वास पर्देश में देश मिर् प्र रहेश स चयात्र.रचि.ह्नर.क्षेर.राध्यकायकायकारसूर्याचीरा.विकालूर.रा. त्रकाल्या दं तक से ते हिंदा वा त्रावा पर्या वा का स्वा र्ट्यक्ष्रचा र. क्रिक्ट्रिय्र श्वाचामार् देवा वीम ग्रीट देशमा बरायम्बाश्चर रटा श्चेत्र यस्य छर त्यारा स्वार राज्य । क्रुश्र श्र म्म्या प्रयास्य स्टर्य पर म्म्या मर स्वाद्य क्रिय मुक वियायहुन निर्मा तया द्वारा है रहा वा व्यन् प्रदे परि देव वहा पर्श्वायद्व द्वाया सुने व तुन्वद केया

न्धन् ने विति विन क

① 電气 衛星 「電气 電气 電气 電气 電气 電气 電气 Manual Interpretation of the Source of th

2/४८ कें सु महिना वार्य क्रिय केंद्र क्रिकें मा मार्थ केंद्र 5 अहेंद् https://eoronavirus.jhu.edu/map.html.

- (3) ক্রমন্ত্রির্দ্র বিশ্বর্তী ক্রেইল্মন্ত্রিকার্দ্র বিশ্বর্তী কর্মন্ত্রিকার্দ্র বিশ্বর্তী কর্মনার বিশ্বর বিশ্বর্তী কর্মনার বিশ্বর বিশ্
- ⊕ द्रग्र आहेशानुभाव झुद्र रादे मुर्धेद हुद्रावर] http://wjw.gzz.gov.en/preview/article/6816.jhtml
- (5) Clinical features of imported cases of coronavirus disease 2019 in Tibetan patients in the Plateau area. https://doi.org/10.1101/2020.03.09.20033126 doi: medRxiv preprint.
- िक्र्याविशवार्षणचा पानुवारेशवार्षणा [M]रेगावार्याः श्वद्रागरा 2011 व्यास्त्री श्वर्यायाः श्वर्यायाः श्वर्यायाः

इंडा ह्रेग वगद वाष्ट्रया हिट वहेंद्र यग नेस

Analysis the clinical features and experiences of Tibetan medicine in the prevention and treatment of coronavirus disease 2019 in Daofu County

Renzhen Jiangcuo Jiangji cun Rinchen Gyal Rinchen Dhondrup

Abstract: Objective To explore the clinical characteristics, preventive and therapeutic effects of Tibetan medicine for fighting against Coronavirus disease 2019 epidemic in Daofu County, Ganzi Prefecture, Sichuan Province. Methods Retrieving relevant literature and consulting experts to collect first - hand data and conduct statistical analysis. Results A total of 73 confirmed patients were found, the male and female ratios were 54% and 46%, respectively. According to the age of Tibetan medicine, the middle - aged group had a higher prevalence rate. Complications included hypertension, diabetes and chronic bronchitis. For the prevention and treatment of Tibetan medicine, Lang Bo Gejue, Tibetan medicinal incense are mainly used. For oral medicine, Chi Tang, Lang Bo Gejue, Luo Junna, Zuowo Nang, Renqing Mangjue, etc. are mainly used. Among them, 60 confirmed patients and asymptomatic patients were treated with Tibetan medicine, and 65 discharged patients underwent comprehensive treatment of Tibetan medicine at the rehabilitation stage. Conclusion the use of Tibetan medicine in the isolation stage may effectively reduce the number of infected people. Some confirmed patients and asymptomatic infected persons may slow the development of mild to severe stage because of the use of Tibetan medicine, and Tibetan medicine played key role in reducing the side effects of Western medicine.

Keywords: Daofu, coronavirus disease 2019, Tibetan medicine